

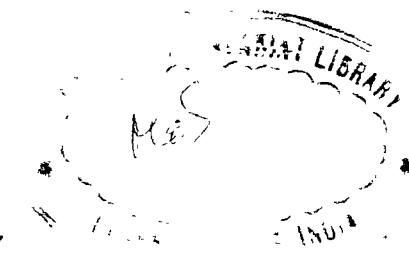


भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITYसं. 40]
No. 40]नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 7, 2000/फाल्गुन 17, 1921
NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 7, 2000/PHALGUNA 17, 1921

वाणिज्य भंत्रालय

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 मार्च, 2000

अंतिम जांच परिणाम

विषय : यू.एस.ए, यूरोपीय संघ, चैक गणराज्य और कोरिया गणराज्य से सोडियम साइनाइड के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच।

सं. 8/1/99-डी.जी.ए.डी.—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए;

क. प्रक्रिया

1. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:

(i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 15.10.99 की अधिसूचना द्वारा यू.एस.ए, यूरोपीय संघ, चैक गणराज्य और कोरिया गणराज्य (जिन्हें इसके बाद संबद्ध देश/क्षेत्र भी कहा गया है) से सोडियम साइनाइड के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच के बारे में प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया था तथा हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था;

- (ii) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार यदि कोई हों, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;
- (iii) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति नई दिल्ली स्थित यू एस ए, यूरोपीय संघ, चैक गणराज्य और कोरिया गणराज्य के दूतावासों को भी इस अनुरोध के साथ भेजी थी कि निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने-अपने विचार उपर्युक्त (i) और (ii) में यथा निर्धारित समय-सीमा के भीतर भेजने की सलाह दी जाए।
- (iv) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को अपने विचार मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए 2.12.99 को सार्वजनिक सुनवाई का अवसर प्रदान किया। मौखिक रूप से अपने विचार प्रस्तुत करने वाली सभी पार्टियों से व्यक्त किए गए विचारों को लिखित में दर्ज करने का अनुरोध किया गया था। पार्टियों से प्रतिपक्षी पार्टियों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतियां लेने और उसका खंडन, यदि कोई हो, प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;
- (v) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए सभी साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल उनके अनुरोध पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध करवाई थी;
- (vi) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क, जिन्हें अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है को संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है। परन्तु हितबद्ध पार्टियों द्वारा बाद में दिए गए तर्कों पर उस सीमा तक जहाँ ~~कि~~ नियमों के तहत आवश्यक हैं, प्रारंभिक निष्कर्षों और/या इन निष्कर्षों में उचित ढंग से विचार किया गया है;
- (vii) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों के आंकड़ों का व्यवहार्य सीमा तक सत्यापन किया गया था। अधिकारियों के एक दल ने निर्यातकों नामतः मैसर्स देगुस्ता ह्यूल्स(यूरोपीय संघ), मैसर्स तोंग-सूह पैट्रोकैमिकल्स कारपोरेशन लिंग (कोरिया गणराज्य) और हन्वहा कारपोरेशन (कोरिया गणराज्य) के परिसरों में आंकड़ों का सत्यापन किया था।
- (viii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचार किए गए अनिवार्य तथ्यों/आधार का ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के लिए खुलासा दिनांक 10.2.2000 के प्रकटन विवरण-पत्र में किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है।
- (ix) इस मामले में मानी गई जांच की अवधि (पी ओ आई) 1.4.98 से 31.12.98 तक की है।

ख. याचिकाकर्ताओं, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार और प्राधिकारी द्वारा उनकी जांच

2. विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा व्यक्त किए किए विचारों पर प्रारम्भिक निष्कर्षों में और प्रकटन विवरण-पत्र में भी चर्चा की गई है। जिन विचारों पर प्रारम्भिक निष्कर्षों और प्रकटन विवरण-पत्र में पहले विचार नहीं किया गया है और जो मुद्दे अब प्रकटन विवरण के जवाब में उठाए गए हैं, उन पर

नीचे दिए गए संगत पैराग्राफों में उस सीमा तक विचार किया गया है, जहाँ तक वे नियमों के अनुसार संगत हैं और जहाँ तक वे इस मामले पर प्रभाव डालते हैं। हितबद्ध पार्टीयों द्वारा दिए गए तर्कों की जांच की गई है, और जहाँ कहीं उचित समझा गया है, नीचे दिए गए संगत-पैराग्राफों में उन पर विचार किया गया है।

ग. विचाराधीन उत्पाद

उत्पाद

वर्तमान जांच में शामिल/सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उपशीर्ष 2837.11 के अंतर्गत वर्गीकृत संबद्ध देशों के मूल का या वहाँ से निर्यातित सोडियम साइनाइड है। यह वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह मौजूदा जांच के कार्य क्षेत्र पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है। सोडियम साइनाइड एक शुद्ध मूल अकार्बनिक रसायन है। यह हाइड्रो साईनिक एसिड (एच सी एन) की कास्टिक सोडा के साथ अभिक्रिया से तैयार किया जाता है। इसे मुख्यतः रंजक मध्यवर्ती, इलैक्ट्रो-प्लेटिंग रसायनों जैसे उद्योगों द्वारा और हिट ट्रीटमेंट साल्ट के विनिर्माण के लिए उपयोग में लाया जाता है।

घ. 'घरेलू उद्योग' याचिकाकर्ता की स्थिति

4. यह याचिका मै0 साइनाइड्स एंड कैमिकल्स कंपनी, 65, प्री प्रैस हाउस, नरेमान प्लाइंट, मुम्बई द्वारा दायर की गई है। भारत से सोडियम साइनाइड का केवल एक और उत्पादक नामतः मैसर्स गुजरात एल्कलाइज एंड कैमिकल्स लिमिटेड है। प्राधिकारी यह पाते हैं कि जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता का घरेलू उद्योग द्वारा किए गए सोडियम साइनाइड के उत्पादन का 50 % से अधिक का हिस्सा बनता है। इसलिए प्राधिकारी इस निष्कर्ष को दोहराते हैं कि याचिकाकर्ता के पास घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने के लिए नियमों के अंतर्गत पर्याप्त आधार है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस संबंध में प्रारंभिक निष्कर्षों में उक्त आधार पर किसी भी हितबद्ध पार्टी द्वारा विवाद नहीं उठाया गया है। इसलिए, प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 7 के निष्कर्ष को पुष्ट समझा जाता है।

ड. समान वस्तुएं

5. प्राधिकारी मूल, भौतिक और रासायनिक गुणों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विशिष्टियों और वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसे पहलुओं पर विचार करने के पश्चात् यह मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सोडियम साइनाइड संबद्ध देशों से आयातित सोडियम साइनाइड के समान वस्तु हैं।

6. यू एस ए के एक निर्यातक, मैरो ड्यूपोन्ट ने यह तर्क दिया है कि उनका सोडियम साइनाइड 98 % शुद्धता का है जिसका जांच अवधि के दौरान भारत में उत्पादन नहीं किया गया था। तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आयातित सोडियम साइनाइड और भारत में उत्पादित सोडियम साइनाइड का उपयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जाता है और इसलिए, इसे वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय पाया गया है। इसके अलावा प्राधिकारी यह पाते हैं कि भारत में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित सोडियम साइनाइड के गुण संबद्ध देशों से आयातित सोडियम साइनाइड के गुणों के अन्यथिक समान हैं। इसलिए प्राधिकारी आयातित सोडियम साइनाइड को घरेलू उत्पाद के समान वस्तु मानते हैं।

7. इस प्रकार, प्राधिकारी समान वस्तु के संबंध में दिनांक 15.11.99 के प्रारंभिक निष्कर्षों के पैरा 6 के निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

च. पाटन का निर्धारण

8. सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत

संबद्ध देशों के निर्यातकों के संबंध में पाटन के मापदण्डों, नामतः सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की जांच की गई है और सीमाशुल्क टैरिफ (संशोधन) अधिनियम, 1955 की धारा 9 क(1)(ग) के अनुसार इनका निर्धारण किया गया है।

9. प्राधिकारी ने उपरोक्त प्रावधानके अनुसार सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बारे में सूचना प्रस्तुत करने के लिए ज्ञात निर्यातकों को अवसर प्रदान किया। निम्नलिखित जिन निर्यातकों/उत्पादकों, ने जवाब दिया और सत्यापन में सहयोग दिया उनके बारे में निर्धारण निम्नानुसार है:-

10. यूरोपीय संघः

निर्यातकः मैं. डेगुसा हुल्सः

सामान्य मूल्यः

निर्यातक ने सोडियम साइनाईड के लिए सामान्य मूल्य का दावा घरेलू बाजार, अर्थात् यूरोपीय संघ (ईयू) के बाजार में इसकी भारित औसत बिक्री कीमत के आधार पर किया। माल-भाड़ा, बीमा तथा कमीशन के कारण समायोजनों का दावा किया गया, जिसकी अनुमति प्रारम्भिक निष्कर्षों में दी गई थी। तथापि, सत्यापन के दौरान कतिपय अतिरिक्त समायोजन, नामतः विशेष पैकिंग तथा वितरण खर्च जो ईयू के घरेलू बाजार के लिए किया गया था, जानकारी में आए। घरेलू बिक्री कीमत सहित इन सभी समायोजनों का विधिवत् सत्यापन किया गया था तथा कारखाना द्वारा स्तर पर घरेलू बिक्री कीमत निकालने के लिए प्राधिकारी द्वारा इनकी अनुमति दी गई है। इस बात का पता लगाने के लिए कि क्या घरेलू बिक्रियाँ व्यापार के सामान्य स्वरूप में थी, निर्यातकों द्वारा किए गए उत्पादन लागत के ब्यौरों की जांच की गई और सत्यापित किया गया, और सत्यापन के बाद यह पाया गया कि कम्पनी के लिए निर्धारित कीमत की तुलना में उत्पादन लागत के कारण सभी घरेलू बिक्रियाँ व्यापार के सामान्य रूप में पाई गई थीं। चूँकि उत्पादन लागत के आधार पर घरेलू बाजार में की गई ये बिक्रियां व्यवहार्य बिक्रियां हैं इसलिए सामान्य मूल्य हेतु इन पर विचार किया गया है। इसलिए मैं डेगुसा हुल्स के मामले में प्राधिकारी द्वारा.....अमरीकी डालर/मी.टन का सामान्य मूल्य निर्धारित किया गया।

निर्यात कीमतः

निर्यातक द्वारा निर्यात कीमत का दावा जांच की अवधि के दौरान भारत को किए गए सभी निर्यातों की भारित औसत कीमत तथा समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, एफओबी लागत, कमीशन तथा व्याज लागत केरा लिए दावा किए गए समायोजनों के आधार पर किया गया। भारत को की गई संबद्ध वस्तु की बिक्री के ब्यौरे का सत्यापन संगत बीजकों के संदर्भ में किया गया। यह पाया गया है कि कम्पनी द्वारा दावा किए गए बीजकों में से कुछ बीजक जांच अवधि के बाहर की अवधि से संबंधित हैं। इसलिए प्राधिकारी द्वारा निर्यात कीमत के आकलन में इन बीजकों को छोड़ दिया गया, यद्यपि इन बीजकों पर माल की खेप जांच की अवधि के दौरान भारत में आ गई थी। निर्यातक द्वारा उपरोक्त शीर्षों के लिए दावा किए गए समायोजनों का सत्यापन किया गया है तथा कारखाना द्वारा स्तर की निर्यात कीमत के आकलन के लिए प्राधिकारी द्वारा इसकी अनुमति दी गई है। इस प्रकार, निर्यात कीमत का निर्धारण.....अमरीकी डालर/मी.टन किया गया है।

11. कोरिया गणराज्य

निर्यातकः मैं. हनक्का कॉर्पोरेशन

उत्पादकः मैं. टौंग-सुह पेट्रोकेमिकल्स कॉर्पोरेशन लि.

इस मामले में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान मै. हनव्हा कॉरपोरेशन द्वारा भारत को निर्यात की गई संबद्ध वस्तुएँ मै. टौंग-सुह द्वारा विनिर्मित थीं। जिसके पास, दूसरी तरफ, मै. हनव्हा कॉरपोरेशन को छोड़ कर भारत को निर्यात करने का कोई दूसरा जरिया नहीं था।

प्राधिकारी द्वारा उस तरीके को पहले ही प्रकट कर दिया गया है जिसके तहत उपरोक्त नामजद निर्यातक तथा उत्पादक का संयुक्त रूप से आकलन किया जाना है ताकि यह आकलन का यह तरीका केवल उत्पादक तथा निर्यातक दोनों को एक साथ जोड़ कर लागू किया जा सके और न कि उन पर अलग-अलग रूप में। इस सीमा तक प्रारम्भिक निष्कर्षों में किया गया आकलन संशोधित समझा जाता है। निर्यातक तथा उत्पादक अर्थात् मै. हनव्हा कॉरपोरेशन तथा मै. टौंग-सुह पेट्रोकेमिकल्स कॉरपोरेशन का संयुक्त रूप से आकलन करने के लिए प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत का निर्धारण निम्नानुसार किया जाता है:-

(i) सामान्य मूल्य

प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान मै. हनव्हा कॉरपोरेशन द्वारा भारत को किए गए सभी निर्यात मै. टौंग-सुह पेट्रोकेमिकल्स नामक केवल एक ही विनिर्माता के मूल के हैं और दोनों एक दूसरे से अपृथक्करणीय रूप से जुड़े हुए हैं। इस मामले में पाठन का निर्धारण उत्पादक तथा निर्यातक को एक साथ जोड़ कर किया गया है और न कि अलग-अलग रूप से। इसलिए सामान्य मूल्य का आकलन जांच की अवधि के दौरान मै. टौंग-सुह की घरेलू बिक्री कीमत के आधार पर किया गया है। इस संबंध में स्थानीय परिवहन, बीमा, मूल्य वर्धित कर तथा एजेंसी कमीशन के लिए दावा किए गए समयोजनों का सत्यापन किया गया है और प्राधिकारी द्वारा केवल स्थानीय परिवहन तथा बीमा के कारणअमरीकी डालर/मी.टन के समयोजनों की अनुमति दी गई है क्योंकि सत्यापन के दौरान मूल्य वर्धित कर तथा एजेंसी कमीशन के बारे में कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया था। सत्यापन के बाद मै. टौंग-सुह की भारित औसत घरेलू बिक्री कीमत का निर्धारण प्रारम्भिक निष्कर्षों में माने गए.....अमरीकी डालर/मी.टन के मुकाबले.....अमरीकी डालर/मी.टन का किया गया है। इस प्रकार, प्राधिकारी द्वारा अनुमत समयोजनों पर विचार करने के बाद कारखाना द्वार स्तर पर घरेलू बिक्री कीमत का निर्धारण.....अमरीकी डालर/मी.टन किया गया है। इस संबंध में प्राधिकारी ने कम्पनी द्वारा जांच की अवधि के दौरान विनिर्मित सोडियम साइनाईड तथा इसके विभिन्न घटकों की उत्पादन लागत का सत्यापन करवाया है और यह पाया गया है कि सभी घरेलू बिक्रियां व्यापार के सामान्य रूप की तुलना में संबद्ध वस्तुओं की उत्पादन लागत, के अनुरूप हैं।

दिए गए तर्क

(क) चूँकि हनव्हा कारपोरेशन उत्पादन के अपृथक्करणीय रूप से जुड़ा है, इसलिए जिस कीमत पर उत्पादक द्वारा व्यापारी से संबद्ध वस्तु की खरीद की गई है वह अविश्वसनीय है क्योंकि इनका अपृथक्करणीय रूप से संबंध जुड़ा हुआ है।

(ख) एचसीएन के संबंध में प्राधिकारी द्वारा अपनायी जाने वाली यह प्रक्रिया है कि यदि उत्पादक द्वारा किसी निविष्टि मद का उत्पादन किया जाता है तो इसे बाजार मूल्य पर विचाराधीन उत्पादक को हस्तानांतरित किया जाना चाहिए और न की उत्पादन लागत पर।

प्राधिकारी द्वारा जांच

(क) इस संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादक को की गई निविष्टि मद की आपूर्ति, मै. हनव्हा केमिकल कॉर्पोरेशन द्वारा की गई थी जो हनव्हा कम्पनी समूह से संबंधित है जिससे कि निर्यातक भी संबंधित है। उत्पादक का आपूर्तिकर्ता के साथ जो कुल मिलाकर एक अलग वैधानिक कम्पनी है, कोई अपृथक्करणीय संबंध नहीं है। तथापि, आपूर्तिकर्ता कम्पनी उसी समूह से संबंधित है जिससे कि निर्यातक संबंधित है, इसलिए प्राधिकारी द्वारा आपूर्तिकर्ता कम्पनी की कीमतों की जांच घरेलू बाजार के अन्य ग्राहकों तथा कोरिया के व्यापार केन्द्र द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों के अनुसार अन्य देशों से कोरिया में किए गए उक्त मद के आयात की औसत कीमत के आधार पर की गई है और यह पाया गया है कि ये कीमतें तथा टौंग-सुह, जो संबंध वस्तुओं का उत्पादक है, की कीमतें एक ही रेंज में हैं। इसलिए वह कीमत उचित और ~~दूषी~~ प्रतीत होती है जिस पर उत्पादक मै. टौंग सुह द्वारा मै. हनव्हा केमिकल कॉर्पोरेशन से उक्त निविष्टियों की खरीद की गई है।

(ख) प्राधिकारी यह पाते हैं कि उत्पादक, मै. टौंग-सुह न तो घरेलू बाजार में और न ही अंतर्राष्ट्रीय बाजार में एचसीएन की बिक्री कर रहा है। इसके अलावा यह पाया गया है कि यह कोरिया गणराज्य में व्यापार की जाने वाली मद नहीं है। इस संबंध में प्राधिकारी ने एचसीएन, जो उत्पादक के एक्रीलोनाइट्राईल संयंत्र का एक सह-उत्पाद है, के हस्तानांतरण कीमत तंत्र को सत्यापित करवाया है और इसे यथोचित पाया है।

निर्यात कीमत:

इस मामले में निर्यात कीमत का निर्धारण मै. हनव्हा कॉर्पोरेशन द्वारा भारत को जांच की अवधि के दौरान किए गए निर्यात की भारित औसत सीआईएफ कीमत के आधार पर किया गया है। संगत मूल बीजकों के सत्यापन के बाद इस का निर्धारण.....अमरीकी डालर/मी.टन किया गया है। चूंकि भारत को किए गए निर्यातों के बारे में मै. हनव्हा कॉर्पोरेशन द्वारा उक्त बीजकों को जारी किया गया है, इसलिए इस मामले में वे ही निर्यातक हैं। यह पाया गया कि भारत को किए गए निर्यातों के बीजक मूल्य में भाड़ा, बीमा इत्यादि के खर्चों के अलावा निर्यातक के लिए.....अमरीकी डालर/मी.टन का एक मार्जिन शामिल है। निर्यात कीमत के लिए निर्यातक द्वारा स्थानीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा कमीशन, बीमा तथा कंटेनर टैक्स एवं हैंडलिंग प्रभारों के लिएअमरीकी डालर/मी.टन के समायोजनों का दावा किया गया है, जिसकी प्राधिकारी द्वारा जांच की गई तथा अनुमति दी गई। इस प्रकार, कारखाना द्वारा स्तर पर निर्यात कीमत का निर्धारण.....अमरीकी डालर/मी.टन का किया गया है।

दिए गए तर्क:

चूंकि वस्तुओं का निर्यात व्यापारी द्वारा किया गया है, इसलिए वह कीमत गणना के लिए शुरूआती कदम बन जाती है जिस कीमत पर व्यापारी द्वारा वस्तुओं का निर्यात किया गया है। इसके अलावा, व्यापारी द्वारा किए गए खर्च तथा उनके लाभ की तरफ एक यथोचित राशि को निर्यात कीमत में से समायोजित करना पड़ता है।

प्राधिकारी द्वारा जांच:

निर्यात कीमत के निर्धारण में प्राधिकारी ने उस कीमत को आधार मान कर विचार किया है जिस कीमत पर व्यापारी द्वारा भारत को वस्तुओं का निर्यात किया गया है। इसके अलावा, व्यापारी द्वारा अपने लाभ की तरफ एक यथोचित मार्जिन सहित संबद्ध वस्तुओं के निर्यात में किए गए सभी खर्चों को निर्यात कीमत में से पहले ही समायोजित कर लिया गया है, जैसाकि निर्यात कीमत संबंधी पूर्वोक्त पैरा में स्पष्ट किया गया है।

12. गैर-सहकारी/शेष निर्यातकों का मूल्यांकन

(क) देश: यूएसए

प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में किसी निर्यातक ने आज तक कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। इस प्रकार, प्रारंभिक जाँच परिणाम की तुलना में स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है। इस प्रकार प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना और डीजीसीआई एंड एस स्लोट से प्राप्त निर्यात कीमत को सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के रूप में माना है तथा सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण समायोजनों के बारे में याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे की स्वीकृति के बाद क्रमशः 1450 अमरीकी डालर/मी.टन और 760 अमरीकी डालर प्रति मी.टन किया है।

(ख) यूरोपीय संघ

प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत को किए गए सोडियम सायनाइड के निर्यात के सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में न तो यूरोपीय संघ के सदस्य राष्ट्रों (मै. डेगुसाहल्स को छोड़कर) के किसी निर्यातक/उत्पादक ने और न ही यूरोपीय समुदाय के शिष्टमंडल ने कोई सूचना प्रस्तुत की है। इसलिए, प्राधिकारी ने यूरोपीय संघ के गैर-सहकारी/शेष निर्यातकों के लिए प्रारंभिक जाँच के अनुरूप यथास्थिति कायम रखने का निर्णय लिया है। इस प्रकार याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर यूरोपीय संघ के गैर-सहकारी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण क्रमशः 1452 अमरीकी डालर प्रति मी.टन और 942 अमरीकी डालर प्रति मी.टन किया गया है।

(ग) चेक गणराज्य

प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में किसी निर्यातक/उत्पादक ने आज तक कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। इसलिए, चेक गणराज्य के सभी निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी की स्थिति निर्यात कीमत के मामले को छोड़कर बॉकी के लिए प्रारंभिक जॉच परिणाम के पैरा ॥(ग) के समान पूर्ववत है। निर्यात कीमत के संबंध में, प्राधिकारी ने जॉच अवधि के लिए चेक गणराज्य से आयातों के सी आई एफ मूल्य के संबंध में डीजीसीआई एंड एस के संशोधित आंकड़ों को नोट किया है जिसके निर्धारण प्रारंभिक जॉच परिणाम मौजूदा माने गए 1071 अमरीकी डालर प्रति मी.टन के आंकड़ों की तुलना में 98% अमरीकी डालर प्रति मी.टन किया गया है। समुद्री भाड़ा, बीमा और कमीशन के रूप में याचिकाकर्ता के समायोजनों दावों पर विचार करते हुए और स्वीकृति देते हुए, जिसे प्राधिकारी सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना मानते हैं, प्राधिकारी ने निर्यात कीमत का निर्धारण कारखानाद्वारा स्तर पर 829 अमरीकी डालर प्रति मी.टन किया है।

(घ) कोरिया गणराज्य

यहाँ प्राधिकारी ने गैर-सहकारी निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण याचिकाकर्ता और डीजीसीआई एंड एस द्वारा मुहैया कराई गई सूचना के आधार पर किया है। इस प्रकार, याचिकाकर्ता द्वारा समायोजनों के बारे में किए गए दावों पर विचार करने के बाद सामान्य मूल्य का निर्धारण 1525 अमरीकी डालर प्रति मी.टन किया गया है और निर्यात कीमत 812 अमरीकी डालर प्रति मी.टन निर्धारित की गई है।

(छ) पाटन मार्जिन का निर्धारण: सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना

(13) प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच निष्पक्ष तुलना करके और नियमावली के अनुबन्ध-1 में उल्लिखित नियमों के आधार पर विभिन्न निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन निर्धारित किया है। सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच निष्पक्ष तुलना के प्रयोजन से प्राधिकारी ने निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत यथासत्यापित सूचनाओं और दूसरी उपलब्ध सूचनाओं पर विचार किया है जिसे प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना माना है। ऊपर यथाउल्लिखि सहकारी और गैर-सहकारी/शेष निर्यातकों के लिए निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत व्यापार के समान स्तर अर्थात् कारखाना द्वारा स्तर पर हैं और पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए भारित औसत की तुलना भारित औसत से की गई है। सहकारी निर्यातकों के मामले में, जहाँ अलग-अलग निर्यात सौंदर्य के बारे में विश्वसनीय सूचना उपलब्ध है, भारित औसत सामान्य मूल्य की तुलना सौदा दर सौदा आधार पर निर्यात कीमत के साथ की गई है।

14. इस प्रकार, संबद्ध देशों/क्षेत्रों और निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण निर्यात कीमत के % के रूप में निम्नानुसार किया गया है:-

देश	निर्यातक	पाटन मार्जिन
1. यूएसए	सभी निर्यातक	१० ७४%
2. यूरोपीय संघ	(i) मै. डेगुसा हल्स (ii) सभी अन्य निर्यातक	३०.९२ % ५४.%
3. चेक गणराज्य	सभी निर्यातक	१०.७०%
4. कोरिया गणराज्य	(i) मै. हनवा कॉर्पोरेशन जो केबल मै. तोंग शुह पैट्रोकैमिकल्स कॉर्पोरेशन लि. द्वारा विनिर्मित संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करता है। (ii) सभी अन्य निर्यातक	शून्य ८७.८०%

* मै. हनवा कॉर्पोरेशन द्वारा निर्यातित संबद्ध माल की पहचान मै. तोंग-सुह पैट्रोकैमिकल्स कार्पो. लि. के उत्पाद के रूप में क्षेत्रीय सीमाशुल्क प्राधिकारी की सन्तुष्टि के अनुसार की जानी चाहिए।

15. प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 22 उन निम्नलिखित निर्यातकों के लिए लागू है जिन्होंने अपने उत्तर में यह कहा है कि जॉच अवधि के दौरान उन्होंने भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है:

- (क) पीसीके रिफायनरी जीएमबीएच, यूरोपीय संघ
- (ख) ई मेर्क, यूरोपीय संघ
- (ग) बीएसएफएजी, यूरोपीय संघ

16. पहुँच कीमत

उत्तरांश

आयातों की पहुँच कीमत का निर्धारण आयातों के सीआईएफ मूल्य उसका १% & शुल्क, उसका २% रख-रखाव शुल्क और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा ३,३क, ८ख, ९ और ९क के अन्तर्गत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर प्रचलित स्तर पर सीमाशुल्क के जोड़ के रूप में किया जाता है। आयातित वस्तुओं के सीआईएफ मूल्य के निर्धारण के लिए मुद्रा परिवर्तन के प्रयोजन से मानी गई विनिमय दर अग्रिम विनिमय दर है जिसका कि वास्तविक रूप से लाभ उठाया गया है।

(ज) क्षति और कारणात्मक संबंध

17. प्रारंभिक जॉच परिणाम में, प्राधिकारी ने नोट किया है कि घरेलू उद्योग को क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है। क्षति के बारे में प्राधिकारी सभी संगत तथ्यों को ध्यान में

इति

रखते हुए और उक्त नियम-॥ तथा नियमावली के अनुबंध-॥ में निर्धारण सिद्धांतों के अनुसार निष्कर्ष पर फँहुँचे हैं ।

क्षति के निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जाँच की थी । इस संबंध में प्राधिकारी ने उक्त नियमों के अनुबंध-॥(iv) के अनुसार, संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा, याचिकाकर्ता को बाजार हिस्से, निवल बिक्री प्राप्ति, लाभप्रदता और पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि जैसे उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले संकेतकों पर विचार किया है ।

(18) उठाए गए मुद्दे

इस मामले में घरेलू उद्योग को हुई क्षति पूर्ण रूप से समाप्त है क्योंकि उनके उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मूल्य और बाजार हिस्से सभी में वृद्धि हुई है । अगर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा केवल क्षति के अन्य सूचक अर्थात् औसत बिक्री प्राप्ति और लाभप्रदता में गिरावट पर विचार किया जाता है, तो यह विश्लेषण करना महत्वहर्पूर्ण है कि क्या जाँच अवधि के दौरान हुई हानि के लिए संबद्ध देशों से हुए आवात को उत्तरदायी माना जा सकता है क्योंकि वर्ष 1997-98 के दौरान जब पाटन का कोई आरोप नहीं था तब याचिकाकर्ता कम्पनी को क्षति हुई थी । यह कहा गया है कि जाँच अवधि के लिए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई उचित बिक्री कीमत कम्पनी की वास्तविक वसूली कीमत से कम है । यदि उचित बिक्री कीमत से अधिक कीमत पर बेचने से भी कम्पनी को हानि होती है तो तर्कसंगत निष्कर्ष यह है कि कथित हानि केवल कम्पनी की अकुशलता के कारण हुई है और कथित पाटन को इसके लिए उत्तरदायी नहीं माना जा सकता है ।

19. प्राधिकारी द्वारा जाँच

प्राधिकारी का विचार है कि यह आवश्यक नहीं है कि क्षति का निर्धारण सभी मानदण्डों के आधार पर किया जाए । वास्तविक क्षति विशेष रूप से निवल बिक्री प्राप्ति तथा लाभप्रदता का कार्य है जो घरेलू उद्योग को हुई वास्तिवक क्षति के निर्धारण के लिए पर्याप्त मानदण्ड हैं । यह तर्क कि याचिकाकर्ता की बिक्री वसूली उचित बिक्री कीमत से अधिक है, वास्तव में प्राधिकारी के निष्कर्षों के अनुसार सही नहीं है । वास्तव में घरेलू बिक्री के लिए कीमत वसूली प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई अ-क्षतिकर बिक्री कीमत से कम पाई गई है । ऐसा कुछेक सम्बद्ध देशों/निर्यातकों से डम्प किए गए आयातों के फलस्वरूप कीमतों में आई कमी के कारण हुआ है ।

20. अतः प्राधिकारी घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बारे में उन निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं, जैसा कि दिनांक 15.10.99 के प्रारंभिक जाँच परिणामों के पैरा 13 में दर्शाया गया है । इस बारे में प्राधिकारी का विचार है कि यद्यपि घरेलू उद्योग के उत्पादन, क्षमता उपयोग और समग्र रूप से बिक्री की मात्रा में जाँच-अवधि (पीओआई) में वृद्धि हुई है, लेकिन उनके संगत बाजार शेयर तथा औसत बिक्री वसूली में गिरावट आई है और जाँच की अवधि के दौरान अनुवर्ती हानि में वृद्धि हुई है ।

21. कारणात्मक संबंध

प्राधिकारी ने पाया है कि भारत में सम्बद्ध वस्तुओं के पाटन के कारण घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमत को डम्प किए गए आयातों की कम पंहुच कीमत के बराबर करने के लिए बाध्य होना पड़ा जिससे जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की औसत बिक्री वसूली प्राधिकारी द्वारा निर्धारित की गई अ-अक्षतिकर बिक्री कीमत से कम रही है। चूंकि घरेलू उद्योग अपनी अक्षतिकर बिक्री कीमत अर्थात् उचित बिक्री कीमत वसूल नहीं कर सकता, इसलिए उसे वित्तीय हानि हुई। अतः प्राधिकारी का विचार है कि जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति सम्बद्ध देशों/राज्य क्षेत्र से डम्प किए गए आयातों के कारण हुई।

1. अंतिम जांच निष्कर्ष

22. पूर्वोक्त मुद्दों पर विचार करने के बाद प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पंहुचे हैं कि :

- (क) सम्बद्ध देशों/क्षेत्र के मूल के अथवा वहां से निर्यात किए गए सोडियम साइनाइड का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया जैसा कि पूर्वोक्त पैरा 14 में उल्लेख किया गया है।
- (ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

(ग) घरेलू उद्योगों को यह क्षति सम्बद्ध देशों/क्षेत्र के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तुओं के पाटन द्वारा हुई।

23. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यू.एस.ए., यूरोपीय संघ, चैक गणराज्य और कोरिया गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम साइनाइड, जो सीमाशुल्क उपशीर्ष 2837.11 के अंतर्गत आते हैं, के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।

24. डंपिंग मार्जिन के समान अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करने पर विचार किया गया जिसे लागू किए जाने से घरेलू उद्योग की क्षति दूर होगी। इस प्रयोजन के लिए अलग-अलग निर्यातकों के लिए आयातों के पंहुच मूल्यों की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित की गई घरेलू उद्योग की अ-क्षतिकर बिक्री कीमत के साथ की गई थी। जहाँ भी यह अंतर डंपिंग मार्जिन से कम पाया गया, वहां डंपिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की गई है।

25. तदनुसार, यह प्रस्ताव किया जाता है कि सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं0 2837.11 के अंतर्गत आने वाले सम्बद्ध देशों/राज्य क्षेत्र के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सोडियम साइनाइड के सभी आयातों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा इस बारे में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए। सम्बद्ध देशों/राज्य क्षेत्र के निर्यातकों/उत्पादकों के लिए यह निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित सारणी के कालम 4 में उल्लिखित राशि तथा पूर्वोक्त पैरा 16 में यथा वर्णित आयातों के प्रति मी0 टन की पंहच कीमत के अंतर के बराबर होगा।

<u>क्रम सं0</u>	<u>देश</u>	<u>निर्यात/उत्पादक</u>	<u>राशि(रु0प्रति मी0 टन)</u>
1.	यूरोपसे	सभी निर्यातक	68,025
2.	यूरोपीय संघ	(i)मै0 देगुस्सा हल्स (ii)सभी अन्य निर्यातक	(i) 68,025 (ii) 68,025
3.	चैक गणराज्य	सभी निर्यातक	68,025
4.	कोरिया गणराज्य	(i)मै0 हनवहा कारपोरेशन, जो केवल मै0 टोंगसुह पैट्रोकैमिकल्स कारपोरेशन लि0 द्वारा विनिर्मित सम्बद्ध वस्तुओं का ही निर्यात कर रहे हैं।* (ii)अन्य सभी निर्यातक	(i)कोई पाटन नहीं क्रमातिस कोई शुल्क नहीं लगाया जाए है। (ii) 68,025

*मै0 हनक्हा कारपोरेशन द्वारा निर्यातित संबद्ध मालस की पहचान मै0 टोंग सुह पैट्रोकैमिकल्स कार्पोरेशन लि0 के उत्पादन के रूप में क्षेत्रीय सीमाशुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार की जानी चाहिए।

26. इस आदेश के विरुद्ध अपील उक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पादशुल्क तथा स्वर्ण (नियंत्रण) न्यायाधिकरण के पास की जा सकेगी।

MINISTRY OF COMMERCE**(Directorate General of Anti-dumping and Allied Duties)****NOTIFICATION****New Delhi, the 6th March, 2000****FINAL FINDINGS**

Subject :—Anti-dumping investigation concerning imports of Sodium Cyanide from USA, European Union, Czech Republic and Korea Republic.

No. 8/1/99-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of anti-dumping duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A) PROCEDURE

1. The procedure described below has been followed:
 - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified the preliminary findings vide notification dated 15.10.99, on anti-dumping investigation concerning imports of Sodium Cyanide from USA, European Union, Czech Republic and Korea Republic (herein after also referred to as subject countries/territory) and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication.
 - ii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to the known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
 - iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the embassies of USA, European Union, Czech Republic and Korea Republic in New Delhi with a request to them to advise the exporters and other interested parties to furnish their views on the preliminary findings in the time frame as stipulated in (i) and (ii) above.
 - iv) The Authority provided an opportunity of public hearing to all interested parties to present their views orally on 2.12.99. All parties presenting their views were requested to file written submissions of the views expressed. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and other rebuttals, if any;

- v) The Authority made available the public file to all interested parties containing non-confidential version of all evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request;
- vi) Argument raised by the interested parties before announcing the preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified have not been repeated herein for the sake of brevity. However, the arguments raised by the interested parties subsequently, to the extent they are relevant under the Rules, have been appropriately dealt in the preliminary findings and/or these findings.
- vii) Verification of exporters' data was carried out by the Authority to the extent it was feasible. A team of officers carried out verification of the data at the premises of the exporters, namely, M/s Degussa Huls (European Union), M/s Tong-Suh Petrochemicals Corporation Ltd. (Korea RP) and Hanwha Corporation (Korea RP).
- viii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties in the Disclosure statement dtd. 10.2.2000 and comments received on the same have also been duly considered in these findings.
- ix) The period of investigation (POI) considered in this case is 1.4.98 to 31.12.98.

B. VIEWS OF PETITIONERS, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY.

2. The views expressed by various interested parties have been discussed in the preliminary findings and also in the disclosure statement. The views which have not been discussed earlier in the Preliminary findings and the disclosure statement and those now raised in response to the disclosure statement, are discussed in the relevant paras herein below to the extent these are relevant as per the Rules and have a bearing upon the case. The arguments raised by the interested parties have been examined and wherever appropriate, dealt in the relevant paras herein below.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION

3. The product involved in the present investigation is Sodium Cyanide, originating in or exported from the subject countries, classified under Customs Subheading 2837.11 of Customs Tariff Act. The Classification is only indicative and in no way binding on the scope of present investigation. Sodium Cyanide is a pure basic inorganic chemical. It is manufactured by reacting Hydro Cyanic Acid (HCN) with Caustic Soda. It is mainly used by industries such as dye intermediates, electro-plating chemicals and for manufacture of hit treatment salts.

D. “DOMESTIC INDUSTRY” STANDING OF THE PETITIONER

4. The petition has been filed by M/s Cyanides and Chemicals Company, 65,Free Press House, Nariman Point, Mumbai. There is only one more producer of Sodium Cyanide in India, namely, M/s. Gujarat Alkalies and Chemicals Limited. The authority finds that the petitioner accounts for a major proportion of the production of Sodium Cyanide by the domestic industry during the POI. Therefore, the authority reiterates the finding that the petitioner have the requisite standing to file the petition on behalf of the domestic industry under the Rules. The authority notes that the position in this regard in the preliminary finding, has not been controverted by any interested party. Therefore, the finding at para 7 of the preliminary finding stands confirmed.

E. LIKE ARTICLE

5. The Authority holds that the Sodium Cyanide produced by the domestic industry is a like article to the Sodium Cyanide imported from the subject countries after considering such aspects as basic physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications and tariff classification of goods.

6. An argument has been raised by M/s. Dupont, an exporter from USA, that their Sodium Cyanide is of 98% purity which was not produced in India, during the POI. However, the Authority notes that the imported Sodium Cyanide and the Sodium Cyanide produced in India have been used inter-changeably and, thus, have been found to be commercially substitutable. Further, the Authority finds that the Sodium Cyanide produced by the domestic industry in India has characteristics closely resembling the same of the Sodium Cyanide imported from the subject countries. Therefore, the Authority holds the imported Sodium Cyanide as a like article to the domestic product.

7. The Authority, therefore, confirms the findings of para 6 of the preliminary findings, dated 15.10.99 on like article.

F. ASSESSMENT OF DUMPING**8. NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE**

The parameters of dumping, namely, the Normal value and the export price, in relation to the exporters of the subject countries are examined and determined in terms of Section 9A(1)(c) of the Customs Tariff (Amendment) Act, 1995.

9. The Authority provided opportunity to the known exporters to furnish information on Normal value and Export price in accordance with the provision cited above. The following exporters/producers who responded and cooperated for verification have been assessed as under :-

10. **EUROPEAN UNION:****Exporter :** **M/s Degussa Huls :****Normal value:**

The exporter claimed Normal value for Sodium Cyanide on the basis of its weighted average selling price in the domestic market, i.e. the EU market. Adjustments were claimed on account of freight, insurance and commission, which were allowed in the Preliminary findings. However, certain additional adjustments, namely, the special packing and distribution expenses, incurred for domestic EU market come to the notice during the verification. All these adjustments along with the domestic selling price were duly verified and the same are allowed by the Authority for working out the domestic selling price at ex-factory level. To ascertain whether the domestic sales were in the normal course of trade, the details of the cost of production provided by the exporters were examined and verified and, upon verification, all the domestic sales were found to be in ordinary course of trade by reason of price vis-à-vis the cost of production determined for the company. Since based on cost of production, the sales in domestic market are viable sales, the same have been considered for Normal value. Therefore, the Authority determines the Normal value at US \$...../M.T. in the case of M/s Degussa Huls.

Export price:

The exporter claimed export price on the basis of the weighted average price of all exports to India during the Period of Investigation along with the adjustments claimed on Ocean freight, Ocean insurance, FOB cost, commission and interest cost. The details of the sales of the subject goods to India were verified with reference to the relevant invoices. It is found that some of the invoices claimed by the company pertained to the period outside the POI. The Authority, therefore, excludes these invoices in the assessment of export price, even though the consignments against these invoices had arrived in India during the POI. The adjustments claimed by the exporter on the aforesaid heads have been verified and the same are allowed by the Authority in the assessment of Export price at ex-factory level. Thus, the export price is determined at US\$...../M.T.

11. **KOREA RP**

Exporter: **M/s Hanwha Corporation**

Producer : **M/s Tong-Suh Petrochemicals Corporation Ltd.**

In this case, the Authority notes that during the POI M/s Hanwha Corporation exported to India the subject goods manufactured only by M/s Tong-Suh who, on the other hand, had no other channel of export to India except M/s Hanwha Corporation.

The Authority has already disclosed the manner in which the above named exporter and producer are to be assessed in a combination, sothat the assessment applies only to the combination of both the specific producer and the specific exporter so named together and does not apply to them separately. To this extent, the assessment made in the Preliminary findings stands revised. For the assessment of the combination of the exporter and the producer, namely, M/s Hanwha Corporation and M/s Tong-Suh Petrochemicals Corporation, the Authority determines the Normal value and Export price as under :

(i) **Normal Value:**

The Authority notes that all the exports to India by M/s Hanwha Corporation during the POI have originated in only one manufacturer, namely, M/s Tong-Suh Petrochemicals. Dumping in this case is assessed for the producer and the exporter together and not separately. Therefore, the Normal value is assessed on the basis of the domestic selling price of M/s Tong-Suh during the POI. In this regard, the adjustments claimed on account of local transportation, insurance, Value Added tax and Agency Commission have been verified and the Authority allows the adjustments of US\$ / MT only on account of local transportation and insurance as no documentary evidence in regard to Value Added tax and agency commission was furnished during the verification. Upon verification, the weighted average domestic selling price of M/s Tong-Suh is determined at US\$ /M.T. as against the figure of US\$ /M.T. considered in Preliminary findings. Thus, the domestic selling price at the ex-factory level, after considering the adjustments allowed by the Authority, is determined at US\$ /M.T. In this regard, the Authority has got verified the cost of production of Sodium Cyanide manufactured by the company and various elements thereof during the POI and all the domestic sales have been found to be in the ordinary course of trade vis-à-vis the cost of production of the subject goods.

Arguments raised

(a) Since Hanwha Corporation is inseparably linked to the producer, the price at which goods have been purchased by the producer from the trader is unreliable because of inseparably linked association.

(b) With regard to HCN, it is the practice of the Authority that in case the producer produces an input item, the same should be transferred to the producer under consideration at market value and not at cost of production.

Examination by the Authority

(a) The Authority in this regard notes that an input item is supplied to the producer by M/s Hanwha Chemical Corporation, which belongs to the Hanwha group of Companies to which the exporter also belongs. The producer has no inseparable linkage with the supplier which is a different legal entity altogether. Nevertheless, since the supplier Co. belongs to the same group as the exporter, the Authority has verified the prices of the supplier Company to other customers in the domestic market and the average prices of import of the item into Korea from other countries as per the data furnished by Korean Trade Centre and it is found that these prices and the price to Tong-Suh, the producer of the subject goods, are in the same range. Therefore, the price at which the producer M/s Tong-Suh has purchased the input from M/s Hanwha Chemical Corporation appears to be reasonable and correct.

(b) The Authority finds that the producer, M/s Tong-Suh is not selling HCN either in domestic or in International market. Further, it is found that it is not a tradable item in Korea RP. In this regard, the Authority has verified the transfer price mechanism of HCN, which is a by product of the Acrylonitrile plant of the producer and finds the same reasonable.

Export price:

The Export Price in this case is determined on the basis of the weighted average cif export price of M/s Hanwha Corporation to India during the POI. The same, upon verification of relevant original invoices, is determined at US\$ /M.T. Since M/s Hanwha Corporation have raised the invoices for exports to India, they are the exporter in this case. The invoice value of exports to India was found to include a margin of US\$ /M.T. for the exporter apart from the expenses on freight, insurance etc. On the export price, the exporter claimed adjustments on accounts of local freight, Ocean freight, commission, insurance and container tax and handling charges for an amount of US\$ /M.T. which have been verified and allowed by the Authority. Thus, the Export price at ex-factory level is determined at US\$ /M.T.

Arguments raised:

Since goods have been exported by the trader, the prices at which goods have been exported by the trader becomes the starting point. Further, the expenses which the trader must have incurred and a reasonable amount towards their profit has to be adjusted from the export price.

Examination by the Authority

In the determination of export price, the Authority has considered the price, at which the trader has exported the goods to India, as the basis. Further, all expenses incurred by the trader in the export of the subject goods including a reasonable margin towards their profit have already been adjusted from the export price, as clarified in the foregoing para on the Export price.

12. Assessment of Non-Cooperative/Residual Exporters

(a) Country : USA

The Authority notes that no information is furnished till date by any exporter in regard to Normal value and Export price of the subject goods. Thus, the position remains unchanged vis-à-vis the Preliminary findings. Thus the Authority considers the information provided by the petitioner and the export price from DGCI and S source as the best available information and determines Normal value and export price at US\$ 1450/M.T. and at US\$ 760/M.T. respectively after allowing the adjustments as claimed by the petitioner.

(b) THE EUROPEAN UNION:

The Authority notes that no exporter/producer of EU member states (except M/s Degussa Huls) nor the E.C. delegation have furnished any information in regard to the Normal value and the Export price of Sodium Cyanide exported to India. The Authority, therefore, maintains the same position for non-cooperative/residual exporters of EU as in the Preliminary findings. The Normal value and Export price for non-cooperative exporters of EU are thus determined as US\$ 1452/M.T. and US\$ 942/M.T. respectively on the basis of information provided by the petitioner.

(c) CZECH REPUBLIC

The Authority notes that no exporter/producer has submitted till date any information in regard to Normal value and Export price. Therefore, the Authority's position in respect of all exporters of Czech Republic remains same as in para 11(c) of the Preliminary findings except for the export price. In respect of export price, the Authority has noted the revised figures of DGCI and S in regard to the cif value of imports from Czech Republic for the POI which is determined at US\$ 988/M.T. as against the figure of US\$ 1071/ M.T. considered in the Preliminary findings. Considering and allowing the adjustments claimed by the petitioner on account of Ocean freight, insurance and commission, which the Authority treats as the best available information, the Authority determines the export price at ex-factory level at US\$ 829/M.T.

(d) **KOREA RP**

Here, the Authority determines the Normal value and Export price for the non-cooperative exporters on the basis of the information provided by the petitioner and the DGCI and S. Thus, the Normal value is determined at US\$ 1525/M.T. and Export price at US\$ 812/M.T. after considering the adjustments claimed by the petitioner.

G. ASSESSMENT OF DUMPING MARGIN:COMPARISON OF NORMAL VALUE AND EXPORT PRICE:

13. The Authority has determined the dumping margin for various exporters/producers on the basis of a fair comparison between the Normal value and the Export price and on the basis of the principles laid down in Annexure 1 to the Rules. For the purpose of fair comparison between the Normal value and the Export price, the Authority has taken into consideration the informations furnished by the exporters, duly verified, and other informations available which the Authority has treated as the best available informations. The Normal value and the export price determined for the cooperative and non-cooperative/residual exporters, as detailed above, are at same level of trade, i.e. at ex-factory level, and the comparison is weighted average to weighted average for the purpose of determining the dumping margin. In the case of cooperative exporters, where reliable information is available on the individual export transactions, weighted average Normal value has been compared with export price on a transaction-to-transaction basis.

14. Thus, the dumping margin as % of export price in respect of the subject countries/territory and the exporters is determined as under :-

Country	Exporters	Dumping margin
1. USA	All exporters	90.78%
2. EU	(i) M/s Degussa Huls (ii) All other exporters	30.92% 54%
3. Czech Republic	All exporters	90.70%
4. Korea RP	(i) M/s Hanwha Corporation Exporting the subject goods Manufactured only by M/s Tong Suh Petrochemicals Corporation Ltd.* (ii) All other exporters	Nil 87.80%

* The subject goods exported by M/s Hanwha Corporation should be identified to the satisfaction of the jurisdictional Customs Authorities as the produce of M/s Tong-Suh Petrochemicals Corporation Ltd.

15. The Authority notes that Rule 22 is applicable to the following exporters who have responded stating that they have not exported the subject goods to India during the period of investigation:

- (a) PCK Refinerie GmbH, E.U.
- (b) E. Merck, E.U.
- (c) BASF AG, E.U.

16 **Landed value**

The landed value of imports is determined as a sum of the cif value of imports, 1% thereof towards landing charges, 2% thereof towards handling charges and the prevailing level of Customs duties, except the duties levied under section 3, 3A, 8B, 9 and 9 A of the Customs Tariff Act, 1975. The exchange rate considered for the purpose of conversion of currency for determining the cif price of the imported goods is the forward exchange rate, where the same has actually been availed.

H INJURY AND CAUSAL LINK:

17. In the Preliminary findings, the Authority had noted the injury to the domestic industry on account of dumped imports from the subject countries. The Authority had reached the conclusion about injury after taking into account all relevant facts and in accordance with Rule 11 Supra and the Principles set out in Annexure II to the Rules.

For determination of injury, the Authority had examined the impact of dumped imports on the domestic industry. In this regard, the Authority had considered such indices having a bearing on the state of industry as quantum of imports from the subject countries, the petitioner's market share, net sales realisation, profitability and magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II (iv) of the Rules Supra.

18. **Arguments raised:**

Injury to the domestic industry in this case is totally absent as their production, capacity utilization, sales value and market share have all increased. If the only other indicator of injury, namely, decline in the average sales realisation and profitability, is considered by the Designated Authority, it is important to analyze whether the loss during POI is attributable to imports from the subject countries as during the year 1997-98 when there was no allegation of dumping the petitioner company had incurred a loss. It is stated that the fair selling price determined by the Designated Authority for the POI is less than the price which the company has actually realized. If the company incurs losses even by selling at a price higher than the fair selling price then the logical conclusion is that the alleged loss is only due to inefficiency of the company and cannot be attributable to the alleged dumping.

19. Examination by the Authority

The Authority is of the view that it is not necessary that injury is assessed on all parameters. Material injury in particular is basically a function of net sales realization and profitability which are sufficient parameters to establish material injury to the domestic industry. The argument that the sales realization of the petitioner is higher than the fair selling price is not factually correct as per the Authority's findings. In fact, the price realization for the domestic sales has been found below the non-injurious selling price determined by the Authority. This is due to the price under cutting resulting from dumped imports from some of the subject countries/exporters.

20. Therefore, the Authority confirms the findings on injury to the domestic industry as reflected at para 13 of the Preliminary findings dtd. 15.10.99. In this regard, the Authority holds that though the domestic industry's production, capacity utilization and volume of sales in absolute terms have increased during the POI, their relative market share and average sales realization has declined and the consequential loss has increased during the period of investigation.

21. CAUSAL LINK

The Authority finds that on account of dumping of the subject goods into India, the domestic industry was forced to match their selling price with the low landed value of the dumped imports, whereby, the average sales realisation of the domestic industry during the POI has been below the Non-injurious selling price determined by the Authority. Since the domestic industry could not realise its non-injurious selling price, i.e. fair selling price, it incurred financial losses. Therefore, the Authority holds that the material injury to the domestic industry during the POI was caused by the dumped imports from the subject countries/territory.

I. FINAL FINDINGS:

22. The Authority, after considering the foregoing, concludes that :
 - (a) Sodium Cyanide originating in or exported from the subject countries/territory as indicated in foregoing para 14 has been exported to India at a price below the Normal value.
 - (b) The domestic industry has suffered material injury.
 - (c) The injury has been caused to the domestic industry by the dumping of the subject goods originating in or exported from the subject countries/territory.

23. In view of the above, the Authority recommends imposition of definitive anti-dumping duty on all imports of Sodium Cyanide falling under Customs Subheading 2837.11 originating in or exported from USA, European Union, Czech RP and Korea RP.

24. It was considered to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less which, if levied, would remove injury to domestic industry. Landed values of imports for individual exporters, for the purpose, were compared with the non-injurious selling price of the domestic industry, determined for the period of investigation. Wherever the difference was less than the dumping margin a duty lower than the dumping margin is recommended.

25. Accordingly, it is proposed that definitive anti dumping duties be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all imports of Sodium Cyanide originating in or exported from the subject countries/territory falling under Customs Subheading No. 2837.11 of Customs Tariff Act. The definitive anti-dumping duty in respect of the exporters/producers of the subject countries/territory shall be the difference between the amount mentioned in column 4 of the following table and the Landed value of the imports per M.T. to be calculated on the basis as mentioned in foregoing para 16.

1.	2.	3.	4.
Sl.No.	Country	Exporter/producer	Amount(Rs.Per M.T)
1.	USA	All Exporters	68,025
2.	EU	(i) M/s Degussa Huls (ii) All other exporters	(i) 68,025 (ii) 68,025
3.	Czech Republic	All exporters	68,025
4.	Korea RP	(i) M/s Hanwha Corporation exporting the subject goods manufactured only by M/s Tong-Suh Petrochemicals Corporation Ltd.* (ii) All other exporters	(i) No duty as there is no dumping. (ii) 68,025

* The subject goods exported by M/s Hanwha Corporation should be identified to the satisfaction of the jurisdictional Customs Authorities as the produce of M/s Tong-Suh Petrochemicals Corporation Ltd.

26. The appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold(Control) Tribunal in accordance with the Act Supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority